दिनांक 23 जुलाई 2025

साई सोशल रिस्पंसिबिलिटी एवं रिसर्च सेंटर

श्रावण माह की एक शुरुआत - जशोला **वृध्दाश्रम** के साथ (एक रिपोर्ट)

साई सोशल रिस्पंसिबिलिटी एवं रिसर्च सेंटर ने श्रावण माह की शुरुआत 23 जुलाई 2025 वृध्दाश्रम में वृद्धों से मिल कर किया । हमारे भारत की संस्कृति में तो माँ बाप के बाद भगवान् का दर्जा होता है| उन्हें ईश्वर से उच्चा स्थान दिया गया है|आज हमें फिर से इंडियन की बजाय भारतीय बनने की आवश्यकता है हमें अपने मूल्यों को फिर से समझने तथा जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। जिससे वृद्ध माता-पिता अपना मन मसोसकर दुखी आत्मा से वृध्दाश्रम में जाने की बजाय।राजी खुशी से अपने बेटे व बेटियों के साथ रह सकें एवं नई पीढी के बच्चों को पारंपरिक सभ्यता एवं नैतिक मूल्यों की शिक्षा कहानी स्वरूप दे सके।

हमने जशोला वृध्दाश्रम में एक बहुत अच्छी शाम बिताई और हमने बहुत से खेल-कूद एवं अंतराक्षारी खेला , जिसमे सभी वृद्धो ने बढकर भाग लिया ,इसका आनंद भी लिया । वृद्धाश्रम में कुछ बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान देखी ,कुछ की आखों में बचपन देखा, कुछ बुज़ुर्गो की आंखे थी नम, शायद उन्हें याद आ गये थे अपने ।वृद्धाश्रम में हमने परिवार जैसा त्यौहार मनाया। कुछ बुजुर्गों ने श्रावन माह के प्रथम दिन का कुछ अपनी आवाज में गा कर सबका मनोरंजन किया तो कुछ बुजुर्गो ने बताया कि वे अपना दिन वृद्धाक्षम में कैसे बिताते हैं।

श्रावण माह के दिन हम लोग वृद्धाश्रम गये, जहाँ पिछले 26 वर्षों से वो हर त्यौहार पर हमारा इंतजार करते है। फिर सभी बुज़ुर्गो ने हमें गले लगा कर हमारा स्वागत किया।और फिर हम सब एक जगह बड़े हॉल में एक साथ बैठ गये। हमने बहुत सी बाते की पर कुछ बुजुर्ग नहीं आ पाये क्योकि उनकी तबियत बहुत ख़राब चल रही थी। इसलिए हम लोग उनसे मिलने उनके पास गये। हमने उनसे बात की उनके बारे में पूछा वे हम लोग को देख कर प्रस्सन हुए। कुछ तो हमसे आपनी नाराजगी जता रहे थे, की आप लोग बहुत दिन बाद आए ।क्योकि हम लोग वृद्धाक्षम जाते रहते है और इस बार हमे जाने में देरी हो गाई। तो उनकी नाराजगी तो बनती है। हॉल में हम फिर बैठे सब से बात की तो पता चला कि उनमें से एक वृद्ध ने अपनी पढ़ाई फिर से शुरू की है और उन्होंने सी.ए. भी कर लिया है। वे पास हो गए हैं और वे ये भी बोल रहे थे वे अब घर नहीं जाएँगे उन्हें यहाँ अच्छा लगता है । फिर हम लोगों ने अंताक्षरी खेला । हम लोग ने 2 टीम बनाई थी पहली पुरुष बुजुर्गों की टीम, दूसरी महिलायें बुजुर्गों की टीम ।कुछ ने तो भाग ही नहीं लिया पर, वे इस का आनंद ले रहे थे। उसके बाद अंताक्षरी में महिलाएं टीम जित गईं, आश्रम में हम लोगों ने बुजुर्गो को मिठाई खिलाई और वे बहुत खुश हो कर खा रहे थे|

लक्ष्मी कुमरी नई सदस्य साई सोशल रिस्पंसिबिलिटी एवं रिसर्च सेंटर

दिनांक 23 जुलाई 2025

कुछ **महिलाएँ** बुजुर्गों ने तो हमें अपना कमरा भी दिखाया, अपने बारे में बहुत सी बाते भी बता रही थी। इन बुजुर्ग महिलाओं में से एक महिला ऐसी भी थी वे पहले एक प्रोफेसर रह चुकी थी, इसके बाबजूद उन्हें वृद्धाश्रम में रहना पड़ रहा है, ये बेहद दुःख की बात हैं। हम उनके लिए श्रावण का प्रसाद एव रात्रि का भोजन लेकर गये थे। इन सब के पश्चात हम लोगों ने एक साथ रात का भोजन किया और उनके बाद मीठा खाया। हमने उनसे योगाभ्यास के बारे में पूछा, आँखों का परीक्षण का भी पूछा , तो वे सभी लोग बहुत ख़ुश हो गये। हम जल्दी ही योगाभ्यास कराने जाएँगे। हमने जाने का बोला तो सब बोलने लगे अभी मत जाओ वे थोड़ा सा उदास हो गये, हम ने बोला हम फिर आएँगे वे सब लोग बहुत ख़ुश हो गये। बुजुर्गों ने हमे अपना बहुत सारा आशीर्वाद दिया और श्रावण की बहुत सी शुभकामनाए भी दी।

आज जरुरत है हमें यह संदेश देने की कि श्रावण हो या भादो हर मास माता-पिता का सम्मान सर्वोपरि रहें । एवं कार्यक्षेत्र हो या घर माता पिता का सम्मान ही हमे सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा एवं आशीर्वाद देता है।

लक्ष्मी कुमरी नई सदस्य साई सोशल रिस्पंसिबिलिटी एवं रिसर्च सेंटर